

- स.क्रि. 1. हरा-भरा करना 2. प्रसन्न करना पुं. वर्तमान में उत्तर भारत का एक हिंदी भाषी राज्य।
- हरियारी स्त्री.** (देश.) हरियाली।
- हरियाला वि.** (देश.) हरे रंग का, हरित, हरा।
- हरियाली-तीज स्त्री.** (तद्.) उत्तरभारत में श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को स्त्रियों द्वारा मनाया जाने वाला एक पर्व।
- हरियाव पुं.** (देश.) मध्य युग में फसल की एक प्रकार की बंटाई जिसमें 9 भाग खेतिहर मजदूर और 7 भाग जमींदार लेता था।
- हरि-रस पुं.** (तत्.) 1. ईश्वर भक्ति का रस या आनंद 2. विष्णु-भक्ति का आनंद 3. भगवान् विष्णु या उनके अवतारों की लीलाओं का आनंद, लीला-रस।
- हरिराइ पुं.** (तद्.) 1. विष्णु 2. कृष्ण 3. मृगराज।
- हरिराज पुं.** (तत्.) 1. विष्णु 2. कृष्ण 3. मृगराज, बब्बर शेर।
- हरिला पुं.** (देश.) हरिल (पक्षी)।
- हरिलीला स्त्री.** (तत्.) परमात्मा, विष्णु या कृष्ण की लीला छंद. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः तगण, भगण 2. जगण, गुरु और लघु (त, भ, ज, ज) के योग से 14 वर्ण होते हैं, 'मुकुंद' छंद।
- हरिलोक पुं.** (तत्.) भगवान् विष्णु का लोक/धाम/वैकुण्ठ।
- हरिवंश पुं.** (तत्.) 1. कृष्ण का वंश 2. हिंदुओं का एक प्रसिद्ध ग्रंथ जिसे उप पुराण माना जाता है।
- हरिवर पुं.** (तत्.) 1. ईश्वर का भक्त, हरिभक्त 2. कोयल।
- हरिवर्ष पुं.** (तत्.) पुराणानुसार जंबू द्वीप के नौ खंडों में से एक।
- हरिवल्लभा स्त्री.** (तत्.) 1. जो (स्त्री) विष्णु, कृष्ण को प्रिय हो (लक्ष्मी) 2. तुलसी का पौधा 3. अधिकमास के कृष्ण पक्ष की एकादशी।
- हरिवास पुं.** (तत्.) अश्वत्थ या पीपल जिसमें विष्णु का निवास माना गया है।
- हरिवासर पुं.** (तत्.) विष्णु का दिन, एकादशी (तिथि)।
- हरिवाहन पुं.** (तत्.) 1. विष्णु का वाहन 2. गरुड़ 3. सूर्य 3. इंद्र।
- हरिशंकर पुं.** (तत्.) 1. विष्णु और शिव, हरि और हर 2. विष्णु और शिव दोनों एक साथ, हरि और हर का युग्म।
- हरिशयनी एकादशी स्त्री.** (तत्.) भगवान् विष्णु के शयन की तिथि के रूप में मनाई जाने वाली आषाढ़ शुक्ल एकादशी, देवशयनी एकादशी।
- हरिशर पुं.** (तत्.) शिव, महादेव।
- हरिश्चंद्र पुं.** (तत्.) 1. इक्ष्वाकु-वंश के एक राजा जो अपनी सत्यवादिता के लिए प्रसिद्ध हुए 2. लाक्ष. सत्यवादी व्यक्ति।
- हरिष पुं.** (तद्.) हर्ष।
- हरिषेण पुं.** (तत्.) 1. विष्णु-पुराण के अनुसार दसवें मनु के पुत्रों में से एक 2. जैन पुराणों के अनुसार भारत के दस चक्रवर्तियों में से एक।
- हरिसंकरी स्त्री.** (तद्.) विष्णु और शिव दोनों की।
- हरि संकीर्तन पुं.** (तत्.) 1. परमात्मा के नामों का कीर्तन 2. भगवान् विष्णु या उनके अवतारों (राम, कृष्ण आदि) के नामों का कीर्तन।
- हरिस पुं.** (तद्.) हल का भारी लंबा लट्ठा जिसके नीचे वाले सिरे पर फाल वाली लकड़ी होती है और ऊपरी सिरे पर जुआ अटकाया जाता है।
- हरि-सिंगार पुं.** (तद्.) हरसिंगार (पेड़ और फूल)।
- हरि-सुत पुं.** (तत्.) 1. श्री कृष्ण के पुत्र, प्रद्युम्न।
- हरि-हंस पुं.** (तत्.) प्रातः कालीन सूर्य, बाल सूर्य।
- हरिहर पुं.** (तत्.) विष्णु और शिव छंद. एक समवर्णिक छंद, जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः नगण, जगण, मगण, सगण, तगण और 2 जगण (न,